

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....
आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 5502

L

Unique Paper Code : 2134000025

Name of the Paper : DHARMA AND SANSKRIT, GE

Name of the Course : COMMON PROG. GROUP, NEP-UGCF-2022

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers may be written either in Sanskrit, English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

4x18=72

Answer any **four** of the following:

क) भारतीय संस्कृति के अनुसार कर्मसिद्धान्त पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on the *Karma* Theory of Indian Culture.

ख) भारतीय संस्कृति में वर्णित यमों को समझाइए।

Explain the *Yamas* as described in Indian culture.

ग) भारतीय संस्कृति में वर्णित पञ्चमहायज्ञों को समझाइए।

Elaborate the *Pañca Mahāyajña* as described in Indian Culture.

घ) भारतीय संस्कृति के अनुसार त्रिविध ऋण की विवेचना कीजिए।

Elaborate three types of *ṛṇa* as per the Indian Culture.

P.T.O.

ङ) भारतीय संस्कृति के संदर्भ में संस्कारों की वैज्ञानिकता एवं प्रासंगिकता का वर्णन कीजिए।

Describe the scientificity and relevance of *Sanskāras* in the context of Indian Culture.

च) भगवद्गीता के बारहवें अध्याय के अनुसार भक्तियोग को समझाइए।

Describe *Bhaktiyoga* on the basis of Chapter XII of *Bhagwadgītā*.

छ) भगवद्गीता के अनुसार ईश्वर के विविध रूपों का वर्णन कीजिए।

Describe the various forms of the *Isvara* according to the *Bhagavad Gita*.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए:

3 x 6 = 18

Write notes on any **three** of the following:

- | | |
|-----------------------|----------------------------|
| i. आदर्श भक्त | Ideal <i>Bhakta</i> |
| ii. नियम | <i>Niyama</i> |
| iii. स्वधर्म | <i>Svadharmā</i> |
| iv. पुरुषार्थ चतुष्टय | <i>Purusārtha Catushya</i> |
| v. अपरिग्रह | <i>Aparigraha</i> . |